अनुपम अंगुल

परिछन अंगुल

खुले में भौच समाप्ति के लिए समुदाय के नेतृत्व में एक अभियन

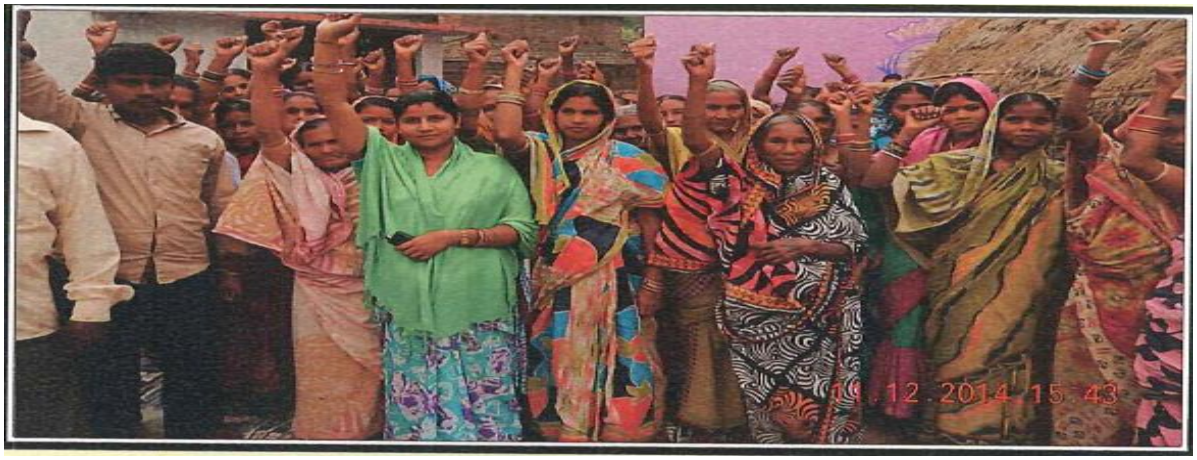

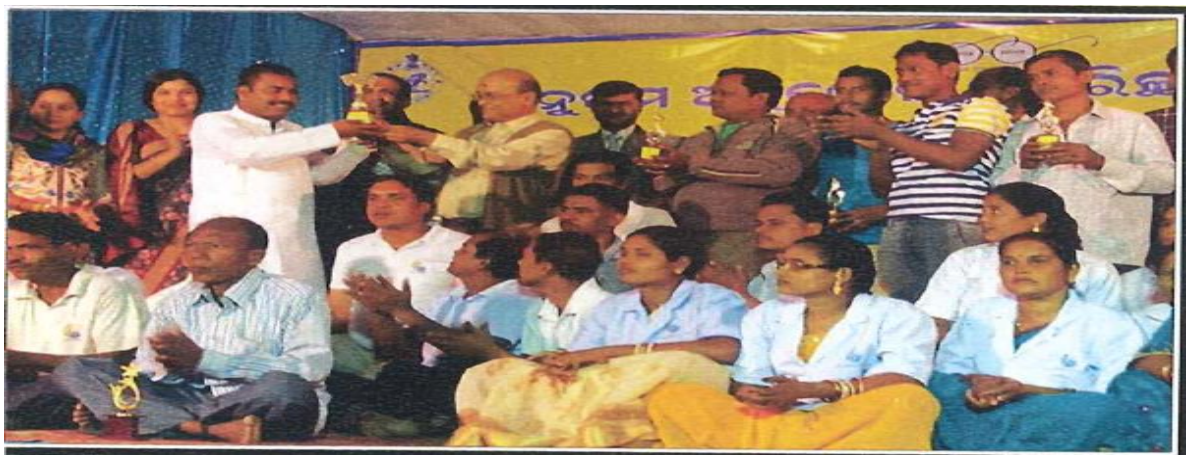

कुमुरीसिंघा उड़ीसा की प्रथम खुले में भौचमुक्त ग्राम पंचायत बनी

जिला जल एवं स्वच्छता मि ान, अंगुल

उड़ीसा सरकार

जिलाधी ा उवाच

यह मि ान भौचालयों के निर्माण के बारे में उतना नहीं जितना वैयक्तिक और सामुदायिक आदत में परिवर्तन के बारे में है। मैंने गॉवों में सरकार अथवा स्वैच्छिक संगठनों द्वारा बनाए गए बहुत से ऐसे बहुत से भौचालय देखे हैं जो उपयोग के अभाव में बेकार पड़े हैं। लोगों ने न तो उन्हें अपनाया है और न ही उनकी आव यकता अथवा महत्ता को जाना है।

आरंभ में मैं बहुत बड़ी रा ि ा लगाकर बड़ी संख्या में भौचालय बनाने पर भांकालु था। परंतु कोरापुट जिले में समुदाय के नेतृत्व में एक सफल प्रयास ने मेरी ऑखें खोल दीं और मैं लोगों को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाकर अपने गांव को साफ रखने की जिम्मेदारी निभाते देख सका जिसके परिणामस्वरू पूरा गांव दो महीने की छोटी सी अवधि में खुले में भौचमुक्त हो गया। यह सब आदत में परिवर्तन के बारे में और इस मामले में सरकार को जो करना है वह समुदायों को प्रेरित करना है, उनकी निजता को झकझोरना है, उन्हें निधि के संचलन में ि ाक्षा देनी है और गतिविधियों को सुकर बनाना है; और तब अपनी ऑखों के सामने हो रहे परिवर्तन को देखना है। परंतु इस प्रयास को दोहराने के लिए एक ऐसी एजेंसी की महती आव यकता है जो समाजे को अज्ञानता की तंद्रा से झिंझोड़ सके। अंगुल में आ ाा की किरण तब प्रज्वलित हुई थी जब डीएफआईडी के सहयोग से फीडबैक फाउंडे ान ने इस काम का बीड़ा उठाया। और यह वैसे ही हो गया जैसे कहा जाता है––और कारवॉ बनता गया।

अंगुल में हमने यह मि ान अक्तूबर 2014 में बहुत ही रीतिबद्ध तरीके से आरंभ किया और 31 जनवरी, 2015 तक हम उड़ीसा में खुले में भौचमुक्त पहली ग्राम पंचायत के रूप में घोशणा करके गर्व महसूस करने लगे। वह कुमुरसिंघा था। आज ग्राम पंचायत के 9 राजस्व गांवों के सभी 1519 घरों में अपने–अपने भौचालय हैं। दस और ग्राम पंचायतें खुले में भौचमुक्त बनने की ओर हैं। 34 गॉव खुले में भौचमुक्त हो चुके हैं। 32 ग्राम पंचायतों में 214 गॉवों की 458 बसावटों को प्रेरित किया गया है। 39000 घरों के लगभग डेढ़ लोख आदमियों, औरतों और बच्चों ने खुले में भौच छोड़ना बंद कर दिया है। वे इस कर्तव्य मानकर मिट्टी से ढक देते हैं। अब उनकी भौचालय बनाने में सहायता करने की आव यकता है। और वह काम भी जारी है : वे अपने भौचालय अपने आप बना रहे हैं। 51 राजस्व गॉव सैच्युरेटिड ओडीएफ हैं; अब तक 10000 से ज्यादा भौचालय बनाए जा चुके हैं और 4000 से ज्यादा निर्माणाधीन हैं। हमारा लक्ष्य मार्च 2015 तक 39000 भौचालय बनाना है।

भौचालय बनाने के लिए मि ान का कार्य लक्ष्य से अच्छा चल रहा है। हम इस बारे में गांवों में नेतृत्व को उभरते देख रहे हैं। समुदाय के अक्रिया ाील लोग, वि ोशकर औरतें, आगे आ कर भूमिका निभा रही हैं और अपने विचार खुलकर व्यक्त कर रही हैं। हम उन्हें ओरल फीकल साइकल और स्वच्छता का संबंध स्वास्थ्य और पौशण संबंधी मामलों से समझते देख रहे हैं। गॉव धन को हैंडल करने और सप्लाई का प्रबंध करने के लिए ज्यादा जिम्मेदार बन रहे हैं और असहायता से अपजी सरकार को दो ा देने की प्रवृति तेजी से कम हो रही है। पंचायत राज संस्थाऍं जोर– ाोर से काम कर रही हैं, क्योंकि इस मि ान में सरपंच की भूमिका अहम् है।

मैं राज्य जल एवं स्वच्छता मि ान का आभारी हूँ जिसने इस परिवर्तन की निकटता से निगरानी की है और मि ान का नेतृत्व करने के लिए समुदाय को अनुमत करने की आव यकता की प्र ांसा करता हूँ। डीएफआईडी और वि व बैंक के अधिकारी इन गांवों में आए हैं और उन्होंने हमें प्रोत्साहित किया। उड़ीसा के माननीय ग्रामीण विकास मंत्री और मुख्य मंत्री महोदय ने इस पहल पर ध्यान दिया है और समुदाय को प्रेरित किया है। उड़ीसा के मुख्य सचिव ने अंगुल की यात्रा के दौरान कुमुरसिंघा को पहली ओडीएफ ग्राम पंचायत घोशित करते समय इस पहल की प्र ांसा की और इसे राज्य के अन्य भागों में दोहराने की आव यकता प्रकट की। इस सारे सहयोग से हम नियत समय–सीमा में खुले में भौच के श्राप से मुक्त हो जाएँगे।

सचिन आर जाधव, आईएएस

जिलाधी ा एवं अध्यक्ष, डीडब्ल्यूएसएम, अंगुल

हम क्या करते हैं?

स्वच्छ भारत मि ान वैक्तिक घरेलू भौचालय बनाने का प्रचार करता है और ऐसे भौचालय बन जाने के बाद प्रत्येक लाभार्थी को 12000/– रु. का अनुदान देता है। अंगुल में हमने प्रोत्सान दृश्टिकोण और सब्सिडीरहित समुदाय के नेतृत्व में पूर्ा स्वच्छता दृश्टिकोण को मिला–जुलाकर अपनाया है। हम ि ान को सैच्युरे ान मोड में स्वीकार करने और अपनाने के लिए समुदायों को प्रेरित, प्रोत्साहित और उद्वेलित करते हैं और हम उन्हें एसबीएम सब्सिडी भी देते हैं। निम्नलिखित तीन कारणों से हम वैयक्तिक अलग–अलग भौचालयों के निर्माण को निरुत्साहित करते हैं :

- यदि केवल एक ही व्यक्ति खुले में भौच करे तो ओर फीकर साइकल चलता रहता है। सैच्युरे ान दृश्टिकोण ही इसे समाप्त करने का एकमात्र उपाय है।
- सप्लाई चेन मैनेजमेंट और कार्यों के सामूहिक वितरण में आसानी से ग्रामीणों के लिए वैयक्तिक प्रयासों की अपेक्षा सामूहिक प्रयास आसान है।
- मि ान की भावना और प्रेरणा को बनाए रखना केवल सामुदायिक प्रयास में ही संभव है न कि तितर–बितर वैयक्ति प्रयासों में। हमारे पास टीमों की एक टीम बन जाती है।

हम कैसे करते हैं?

समुदाय को संगठित करना और उसे किसी काम वि ोश के लिए अभिमुख करना आसान नहीं होता, वि ोशकर तब जब खुले में भौच की प्रथा का प्रचलन व्यापक रूप में है। फिर भी एक बार काम आरंभ हो जाने और लोगों के वि वस्त हो जाने के बाद समुदाय नेतृत्व संभाल लेता है। हम निम्नलिखित प्रक्रियाएं अपनाते हैं––

- प्रेरणा–पूर्व––समुदाय के प्रभावी लोगों से संपर्क करके पीआरए के साथ एक प्रेरणा बैठक करने के लिए अनुरोध किया जाता है। प्रेरणा–पूर्व इस कार्य से प्रेरणा देने के काम में आसानी हो जाती है। अंगुल में हे इस कदम से भी पूर्व एक कदम उठाते हैं। जिलाधी ा, पीडी डीआरडीए और कार्यकारी इंजीनियर डीडब्ल्यूएसएम प्रेरणा–पूर्व बैठक से पहले सरपंचों के साथ बात करते हैं।

- प्रेरणा––समुदाय को खुले में भौच करने की प्रथा त्यागने के लिए आ वस्त किया जाता है।
- प्रातःकालीन फोलो–अप––प्रेरणा बैठक के दौरान लिए गए निर्णय को कार्यान्वित करने के लिए प्रत्येक समुदाय में आदमियों और औरतों के लिए दो चौकसी समितियां बनाई जाती हैं। ये समितियां हर प्रातः गांव की सड़कों पर लोगों को सम्मति देने के लिए घूमती हैं ताकि यह सुनि ित किया जा सके प्रत्येक आदमी अपने मल को मिट्टी से ढक दे।

- पल्लीसभा––खुले में भौच को त्यागने के लिए एक प्रस्ताव पास किया जाता है और गांव की एक समिति यह सुनि ित करने के लिए बनाई जाती है कि प्रत्येक ग्रामीण अपने मल को मिट्टी/राख से ढक दे।
- खरीद समिति के माध्यम से निर्माण कार्य एवं सामग्री प्रबंधन–– पल्ली सभा में यह प्रस्ताव पारित किया जाता है कि वह लोगों के अपने अं ादान से सभी घरों में भौचालय बनवाएगी और निधियों

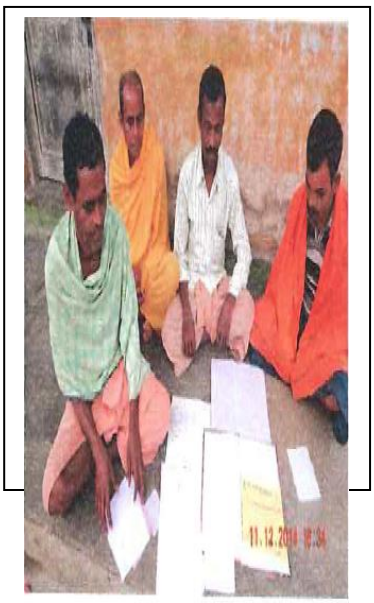

और आपूर्ति के प्रबंधन तथा निर्माण–कार्य की निगरानी के लिए एक खरीद समिति बनाई जाती है। उन्हें डीडब्ल्यूएसएम टीम, ब्लॉक इंजीनियरों और प्र ाासन के माध्यम से जिला प्र ाासन द्वारा तकनीकी सहयोग दिया जाता है।

उत्प्रेरक

समुदाय के नेतृत्व में पूर्ण स्वच्छता अभियान के एक नए युग की उत्पत्ति के लिए मि ान ने निम्नलिखित स्टेकहोल्डरों को अपने कार्य में सफलतापूर्वक भाामिल किया है–

- जिला प्र ाासन––पंचायती राज विभाग (ब्लॉक) और जिला जल एवं स्वच्छता मि ान (डीडब्ल्यूएसएम) का कन्वर्जेंस इस स्तर पर किया जाता है। इस कन्वर्जेंस के बिना समुदाय का उद्वेलन संभव नहीं है।
- जिला जल एवं स्वच्छता मि ान––निधियॉ, तकनीकी वि ोशज्ञता
- फीडबैक फाउंडे ान (डीएफआईडी द्वारा समर्थित)––कम्युनिटी लेड संपूर्ण स्वच्छता। समुदाय को उत्प्रेरित और प्रेरित करने में दक्ष। प्रेरकों के प्र िाक्षण में वि ोशज्ञता।
- स्मुदाय––सर्वाधिक महत्वपूर्ण। समुदाय में सरपंच, वार्ड सदस्तय, महिला स्वयं सहायता समूह, भारत निर्माण वाल्यूंटियर मुख्य प्रेरक का कार्य करते हैं।

क्षमता निर्माण

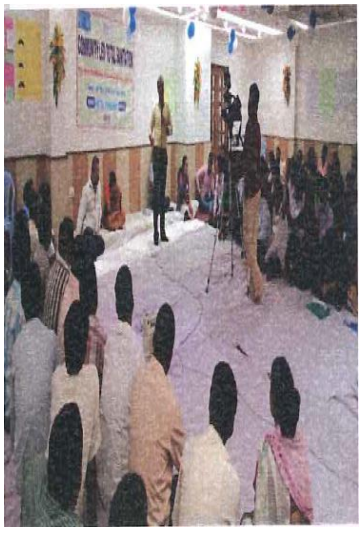

न केवल ग्रामीण, बल्कि प्र ाासकीय अधिकारी और इंजीनियर भी इस दृश्टिकोण के प्रति नए हैं। अतः सेंसीटाईजे ान और क्षमता निर्माण का कार्य नियमित रूप से किया गया है और किया जा रहा है। केवल एक ही उस गॉव में सभी ब्लॉकों के सभी इंजीनियरों की एक तकनीकी कार्य ाला आयोजित की गई जहॉ काम चालू था। पॉच–पॉच दिनों के

दो आवासीय प्रि ाक्षण कैंपों में लगभग 200 प्रेरकों को प्रि ाक्षण दिया गया। जिला स्तर पर फाइल प्रलेखन प्रक्रिया में सभी सरपंचों और पीईओ को प्रि ाक्षित किया गया।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट

जब हजारों भौचालयों के निर्माण की बात आती है, ईंटों, सीमेंट, रेती, टिन भीटों की भारी संख्या में आपूर्ति एक मुद्दा बन जाती है और यह समुदाय को उत्प्रेरित एवं प्रेरित करने से बड़ी चुनौती प्रतीत होती है। कार्य की गति रोकी अथवा मंद नहीं की जा सकती। डीडब्ल्यूएसएम प्रापण समितियों, जो जिम्मेदार फंड मैनेजर, सुपरवाईजर और नेगोि ाएटर के रूप में उभर रही हैं, को अच्छा सहारा दे रहा है। हम ग्राम पंचायतों के समूहों के लिए ग्रामीण सैनिटरी बाजार को संस्थागत रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

पहल के परिणाम/प्रभाव/लाभ

सीएलटीएस अप्रोच खुले में भौचमुक्त बसावटों, स्वच्छ वातावरण, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में अधिक जागरूकता, वैयक्तिक घरेलू भौचालय के स्वामित्व की नई भावना, महिलाओं द्वारा वैयक्तिक एवं स्वच्छता संबंधी मामलों में झेली जा रही कठिनाइयों में सुधार, बेहतर मुद्दे के लिए ग्राम समुदाय में नए नेतृत्व का उद्भव एवं एकीकरण, अधिक स्वयं भाासन योग्यता की भावना और उच्च आत्म सम्मान के उदय के रूप में परिणत होती है।

प्रेरण एवं प्रत्यायन

इस प्रक्रिया में बहुत से ग्रामीण नेता उभर रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहित करने का पूरा ध्यान रखा जाता है। वे जिलाधी ा एवं पी.डी. डीआरडीए से कभी

भी मिल सकते हैं। वरिश्ठ अधिकारी गॉवों का प्रायः दौरा करते रहते हैं, यहॉ तक कि भौर में भी। इससे गॉव में समुदाय के नेताओं का आत्म–वि वास जगता है और गॉव में उनकी स्थिति को मजबूती मिलती है। इन दो महीनों के दौरान दो सचिव और ग्रामीण विकास मंत्री ने इन गॉवों का दौरा किया है और समुदाय के प्रयासों की सराहना की है। राज्य के माननीय मुख्य मुख्य मंत्री ने सरपंचों और समुदाय नेताओं को एक सार्वजनिक बैठक में जिला मुख्यालय में प्र ांसा पत्र दिए है। इस महत्वूपर्ण मामले के बारे में मीडिया को भी संवेदन ाील बनाया गया है और इन प्रयासों से कार्य की गति सुनि ित हो रही है।

आगे का मार्ग : धारण एवं दोहराव

किसी ग्राम पंचायत को ओडीएफ घोशित किए जाने के बाद हम कुछ काम करते हैं ताकि स्वच्छता रीतियॉ अपनाई जाती रहें। इन गतिविधियों में हाथ धोने का तरीका, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में भौचालयों की

देखभाल करना और चौकसी समिति के माध्यम से मानिटरिंग भागमिल हैं, ताकि भौचालयों का सभी द्वारा नियमित उपयोग सुनि ित किया जा सके। समुदाय की निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित किए बिना जिला प्र ाासन, डीडब्ल्यूएसएम और फीडबैक फाउंडे ान प्रत्येक स्टेज पर सकारात्मक सहयोग दे रहे हैं ताकि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए सुरक्षित रीतियों को उनके मन में बैठाया जा सके।

इसी प्रकार अंगुल ब्लॉक में अपनाई गई सीएलटीएस अप्रोच जिले के अन्य भागों में ऐसे ही परिणामों के साथ दोहराई जा रही है।

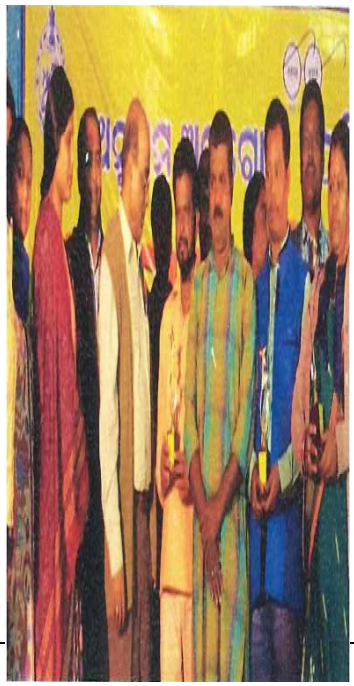

मीडिया को भाामिल करना

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनी मीडिया का नियमित रूप से परिचित कराया गया और मि ान के प्रति संवेदन ील बनाया गा तथा उनको यह अपील की गई कि वे जिले में स्वच्छता एवं भाुचिता के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाएँ। मीडिया ने ओडीएफ अभियान की सफलता की कहानियों को प्रचार करके बहुत सकारात्मक भूमिका निभाई जिससे समुदाय के लोगों में अपने वैयक्तिक भौचालय बनाने की इच्छा जागृत हुई।

रणतालेई ग्राम पंचायत के लिंगराजोड़ी में प्रेरणा बैठक

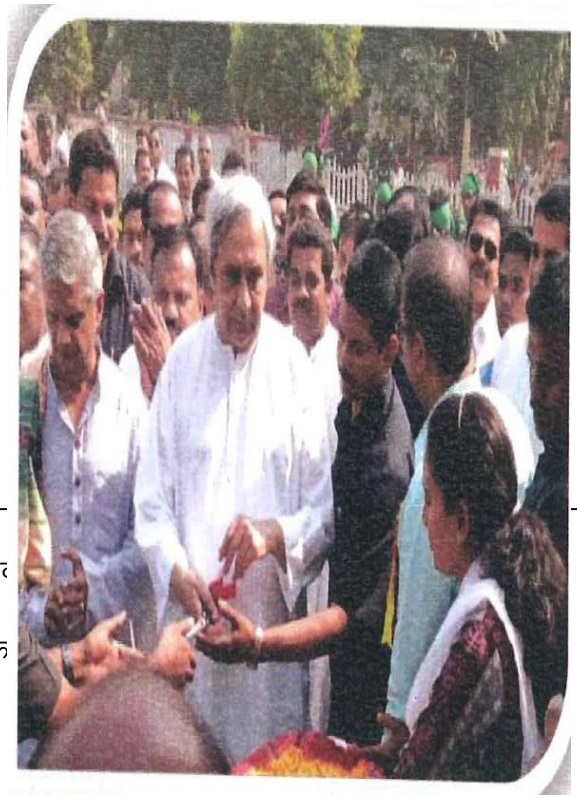

18 नवंबर, 2014 को उड़ीसा के माननीय मुख्य मंत्री द्वारा

'स्वच्छ भारत' स्टाल का उद्घाटन

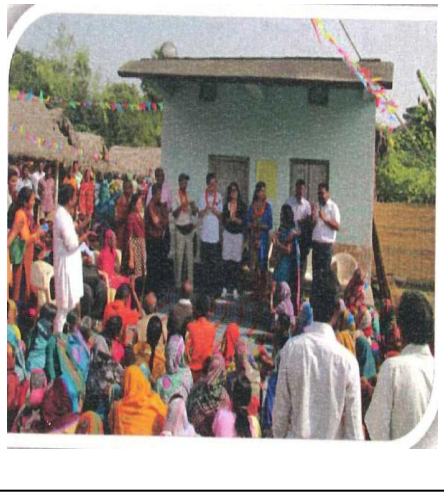

24 नवंबर 2014 व

वि व बैंक टीम क

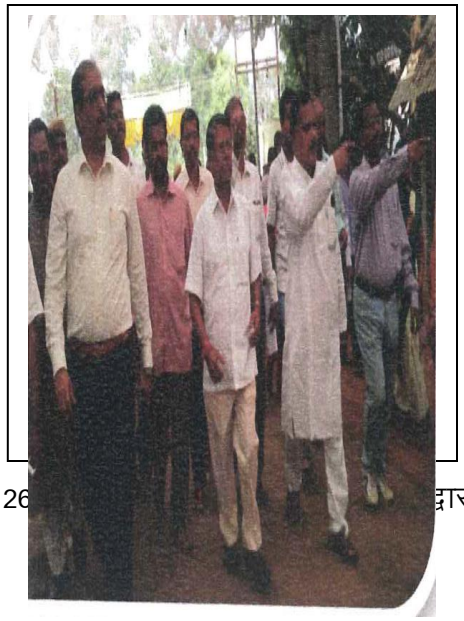

गॉव कुमुसिंगा में माननीय मत्री, ग्रामीण विकास, उड़ीसा के साथ गौरव यात्रा

26 द्वारा सरपंचों का अलंकरण

माननीय मुख्य सचिव, उड़ीसा द्व

के अंतर्गत कुमुरीसिंगा की पहली घोशणा

यह केवल भौचालयों के बारे में नहीं है :

यह आत्म–निर्भरता, और सु□ासन के बारे में है। और आत्म–सम्मान के बारे में भी।

काम की प्रगति के साथ हम अपनी ऑखों के सामने एक मनोहर दृ य उभरते देख रहे हैं। कुछ उदाहरणों से यह बात स्पश्ट हो जाएगी :

- कुमुरीसिंगा गॉव में तथाकथित निचली जाति गोच्छायात ाही के लोगों का वास है। प्रेरणा के पहले दिन ही लोग गॉव के भोश लोगों से दूर बैठे थे। परंतु बाद की बैठकों में काम की प्रगति के कुछ दिनों बाद हमने उन्हें मिल–जुलकर बैठे देखा।
- राजनीतिक मतभेदों के कारण आरंभ में काम आरंभ होने और निर्माण में कठिनाई आई। परंतु धीरे–धीरे हमने वैयक्तिक राजनैतिक मतभेद के बावजूद सहमति बनते देखी।
- महिला स्वयं सहायता समूहों को मि ान से नई ऊर्जा मिली है। प्रातःकाल के दौरान महिलाऍं अनपेक्षित भार्म को त्याग दौरे करती हैं।
- एक विकलांग एवं अकेली बूढ़ी महिला ने पड़ौसियों के सामूहिक श्रम से अपना भौचालय बनवाया।

संक्षेप में एक जीवंत, आत्म–वि वासी, जिम्मेदार और उत्तरदायी समाज इस मि ान की परिणति के रूप में सामने आया। अच्छे भासन के लिए हमें और किसी चीज की आव यकता है?

वे क्या कहते हैं :–

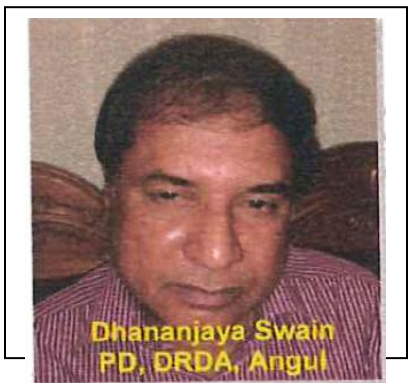

कुमुरीसिंगा गॉव के लोगों ने एक सामुदायिक कार्य के रू‍ में जब ओडीएफ के विचार को अपनाया तो उन्हें सफलता मिली। इससे न केवल उनका साहस बढ़ा बल्कि उन्हें सामाजिक चुनौतियों का

साहस और स्वीकरण के साथ सामना करने का बल मिला। गॉव की सड़कों के दोनों और सामूहिक रूप से सैच्युरे ान मोड में निर्मित भौचालयों की कतारें वास्तव में एक सपना सच होने जैसी बात लगती है।

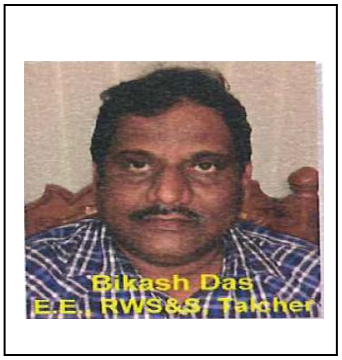

सिंप्लेक्स मोडिफाइड लीच पिट टेक्नोलॉजी के प्रयोग और वैयक्तिक घरेलू भौचालयों के निर्माण के दौरान लाभभोगी को ग्रामीण आधान की अपूर्ति से अंगुल ब्लॉक में न्यूनतम समय में अधिक गॉवों को ओडीएफ बनाने में आसानी हुई। स्रोत व्यक्तियों के रूप में मिस्त्रियों और प्रेरकों के पि ाक्षण से भौचालय बनाने के लिए लोगों के दिलो–दिमाग में परिवर्तन हुआ। इससे भी बड़ी बात यह रही कि पी आर विभाग के आर डी विभाग के साथ विलय से अंगुल खंड में एसबीएम (ग्रामीण) कार्यक्रम सफल रहा।

यद्यपि यह एक सरकारी कार्यक्रम है, फिर भी हम समुदाय की सहभागिता, जुटता और स ाक्तिकरण के कारण हम सफल रहे। जिला प्र ाासन ने इस कार्य को बहुत अच्छे ढंग से आगे बढ़ाने में वि ोश ध्यान दिया और फीडबैक फाउंडे ान तथा भारत निर्माण वाल्युंटियर्ज ने इस कार्य के पूर्ण होने को और आसान बना दिया।

समुदाय के नेताओं का उदय

केवल कुछ का नाम लेना अन्यायपूर्ण होगा। फिर भी समाज के उदीयमान नेताओं की आका ा–गंगा में ये कुछ तारे हैं :

दुर्योधन साहु, जिन्हें बुला भाई भी कहा जाता है, चुनाव लड़कर सरपंच बने, परंतु भावना से वे सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे एक भारत निर्माण वाल्युंटियर भी हैं। जब तक उनकी ग्राम पंचायत 31 जनवरी 2015 को खुले में भाौचमुक्त घोशित नहीं कर दी गई, तब तक उन्होंने तीन महीनों तक अपनी दाढ़ी नहीं बनाई।

जतिन्द्र कुमार प्रधान, जो स्तरीय समुदाय नेता हैं, ने ग्रामवासियों के झूठें आरोपों का साहसपूर्वक सामना किया और अंत में उनका वि वास जीता। उनका विचार है कि मुख्य चुनौती सस्टेनेबिलिटी है।

सरस्वती एक आम गृहिणी हैं परंतु इस अभियान के दौरान एक नेता के रूप में उभर कर आईं। उन्होंने अपने ससुरालियों की आलोचनाओं का सामना किया और महिलाओं के सम्मान के लिए भाौचालयों के इस्तेमाल पर बल दिया।

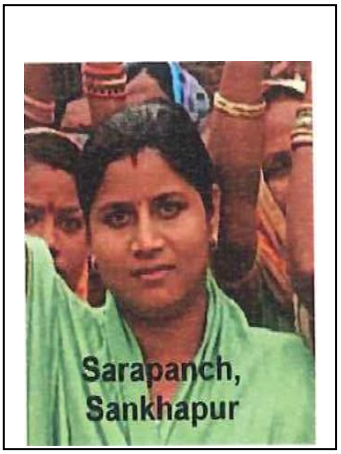

ज्योर्तिमयी देहुरी केवल 24 वर्श की हैं और सबसे कम उम्र की सरपंच हैं। उन्होंने अपनी ग्राम पंचायत का नाम सांखापुर से स्वच्छपुर करने का निर्णय लिया।

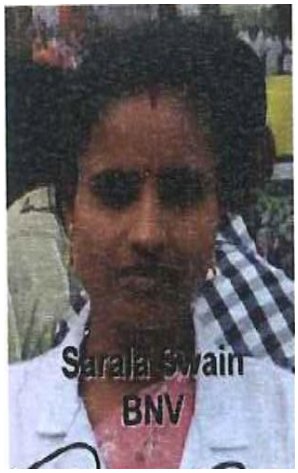

सरला सैंकड़ों प्र ाक्षित भारत निर्माण वाल्युंटियरों में से एक हैं और एक उभरती समुदाय नेता हैं। इस कार्य में उनके समर्पण ने उन जैसी अन्य महिलाओं को उनके काम में हाथ बंटाने को प्रेरित किया।

कुमुरीसिंगा की कहानी

उड़ीसा की पहली ओडीएफ ग्राम पंचायत

अपनी पसंद और गुण से एक सामाजिक कार्यकर्ता अंगुल पंचायत समिति की कुमुरीसिंगा ग्राम पंचायत के सरपंच श्री दुर्योधन साहु, जिन्हें लोग बुला भाई कहते हैं, अक्तूबर 2014 में जिला प्र□ासन की आ□ा के अनुरूप तब कार्य में जुट गए, जब जिला प्र□ाासन ने समुदाय नीत संपूर्ण स्वच्छता अभियान के माध्यन से 90 दिनों के अंदर अंगुल पंचायत समिति के 32 गॉवों को खुले में भौचमुक्त करने का अभियान छेड़ा।

लगभग 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली उनकी ग्राम पंचायत में 9 राजस्व गॉवों में विभिन्न समुदायों के 1519 घर हैं। यह महसूस करते हुए कि खुले में भौच करना उसके लोगों की तंदरुस्ती और स्वास्थ्य में एक प्रभावी बाधा है, बुला भाई ने अपने समुदाय के लोगों को एकजुट करने और उन्हें मि□ान की महत्ता समझाने का बीड़ा उठाया। उनकी भागीदारी, समर्पण और नेतृत्व से समुदाय को डीडब्ल्यूएसएम अंगुल और फीडबैक फाउंडे□ान से बाकायदा प्रेरणा और □िक्षा मिली।

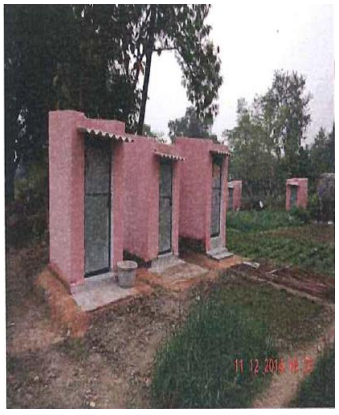

बुला भाई ने प्र□ाासन से सब्सिडी मिलने की प्रतीक्षा नहीं की। उन्होंने अपने मकान की मरम्मत के लिए बचाए गए अपनी गाढ़ी कमाई के 3 लाख रु. ईंट, रेत, सीमेंट, एसी भीट आदि की खरीद में लगा दिए।

अपनी सादगी और मिलनसार स्वभाव के कारण बुला भाई ने लोगों का दिल जीत लिया और अपनी ग्राम पंचायत के 124 भारत निर्माण स्वयंसेवकों और महिला स्वयं सहायता समूहों को एकजुट करने और मार्गद□र्शन देने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने मिल–जुलकर विभिन्न बसावटों के लिए पारद□र्शी तरीके से शौचालय बनाने के लिए एक खरीद समिति बनाई। विकास उनमें से एक ऐसा भारत निर्माण स्वयंसेवक है जिसने इस प्रयास में नेतृत्व को संभाला।

कुमुरीसिंगा गॉव की एक गोच्छायतसाही में निचली जाति के लोग थे जिन्हें आरंभ में शोश लोगों से दूरी बनाए रखते देखा गया। परंतु ज्यों–ज्यों काम की प्रगति हुई, हमने उन्हें शोश से दूर रखने वाली उस अदृ□य दीवार को गिरते देखा और इस अनौखी उद्यमिता के कारण आज हम एक ज्यादा मिश्रित गॉव देख रहे हैं।

इस पूरे अभियान के दौरान ग्राम पंचायत को महिलाओं ने कथनीय नेतृत्व दिखाया। प्रातःकाल की चर्या के दौरान उन्होंने अनपेक्षित शार्म को त्यागकर लोगों को खुले में शौच करने से निरुत्साहित किया। उन्होंने दूसरों के मल पर मिट्टी डालकर गॉधीगिरी का रास्ता अपनाया और जिद्दी लोगों के शौच करते हुए के फोटो दृ□यमान जगहों पर चिपकाने की चेतावनी दी।

आज भावी पीढ़ी सहित सभी भागीदारों के सामूहिक प्रयास से तीन महीनों के रिकार्ड समय में कुमुरीसिंगा उड़ीसा की खुले में शौच से मुक्त पहली ग्राम पंचायत है।

कुमुरीसिंगा ग्राम पंचायत के खुले में भाौचमुक्त होने से संबंधित समाचार–पत्रों की कतरनें

एक कदम स्वच्छता की ओर

थ्जला जल एवं स्वच्छता मि□ान, अंगुल

उड़ीसा सरकार